मुख्यमंत्री वृक्षारोपण योजना के तहत 43 प्रजातियों के 10 हजार पौधों से बंजर भूमि वन क्षेत्र में तब्दील

- जिले में 21 एकड़ रकबे की बंजर भूमि में छाई हरियाली
- एक वर्ष पहले गृहमंत्री ने किया था पहला पौधारोपण, आज आक्सीजोन के रूप में ले रहा आकार

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशा के अनुरूप प्रदेश में मुख्यमंत्री वृक्षारोपण योजना के तहत लगातार कार्य किया जा रहा है। इस योजना के तहत बंजर भूमि जहां घास का भी एक तिनका नहीं रहता था वहां भी औषधीय महत्व के हजारों पौधे नजर आने लगे हैं। ऐसा ही कुछ हुआ है कोरिया जिले के ग्राम पंचायत आनी में। कोरिया जिला मुख्यालय बैकुण्ठपुर में राष्ट्रीय राजमार्ग 43 के निकट ग्राम पंचायत आनी में 21 एकड़ बंजर क्षेत्र को मुख्यमंत्री वृक्षारोपण योजना के लिए चयनित किया गया था। जिले के प्रभारी मंत्री ताम्रध्वज साहू द्वारा 4 जुलाई 2021 को यहां पहला पौधा लगाकर बंजर भूमि में पौधारोपण की शुरूआत की गयी थी।

इस तरह से ग्राम पंचायत आनी में 21 एकड बंजर भूमि को प्रदेश के पहले वन प्रदर्शन प्रक्षेत्र के रूप में विकसित किए जाने की शुरूआत की गयी थी जो अब अस्तित्व में आ गया है। पूरी तरह से बंजर पड़ी इस भूमि में घास का एक तिनका भी नहीं होता था और अब औषधीय महत्व के हजारों पौधों के साथ मिश्रित वन में होने वाले सभी वर्ग के पौधों की हरियाली से यह क्षेत्र आक्सीजोन के रूप में आकार ले रहा है। यहां पर फलदार पौधों की वाटिका के साथ ही इमारती और शोभनीय पौधों का विस्तारित वन क्षेत्र तैयार किया गया है। इन पौधों के साथ ही यहां पर 20 हजार से ज्यादा की संख्या में औषधीय महत्व के पौधों का रोपण अंतवर्तीय तरीके से किया गया है।

मुख्यमंत्री वृक्षारोपण योजना का बेहतर क्रियान्वयन हो सके इसके लिए जिले में एक मानक प्रदर्शन प्रक्षेत्र और मातृवाटिका (नर्सरी) बनाई गई है। मनरेगा, जिला खनिज न्यास मद सहित अन्य विभागीय योजनाओं के अभिसरण से ग्राम पंचायत आनी के एक बड़े क्षेत्रफल को वन प्रदर्शन प्रक्षेत्र का स्वरूप प्रदान किया गया है। इसमें पशुओं के आश्रय स्थल के साथ ही चारागाह का विकास भी किया गया है जिसके लिए 5 एकड़ भूमि आरक्षित की गई है। यहां पर 10 एकड़ रकबे में फलोद्यान भी तैयार किया जा रहा है। क्षेत्र के कृषि वैज्ञानिकों की मानें तो इस मातृवाटिका से आने वाले प्रत्येक वर्ष में लगभग 1 लाख औषधीय पौधे प्राप्त किए जा सकेंगे और यह आय का भी एक बड़ा स्रोत बनकर उभरेगा।

कोरिया जिला कलेक्टर कुलदीप शर्मा के अनुसार छत्तीसगढ़ में यह अलग तरह का प्रयास है जिससे जिले को एक अलग पहचान मिलेगी। इस मातृवाटिका में कोरिया जिले के जंगलों में मिलने वाले सभी प्रजाति के पौधों के साथ ही प्रदेश में मिलने वाली कुल 43 विभिन्न प्रजातियों के लगभग 10 हजार पौधे का रोपण किया गया है जिसके विस्तार एवं रखरखाव का कार्य वन विभाग, कृषि विज्ञान केंद्र और उद्यान विभाग के जिम्मे है। जिस तेजी के साथ यह क्षेत्र बंजर भूमि से वन प्रदर्शन क्षेत्र के रूप में उभर रहा है उससे यह कहा जा सकता है कि आने वाले दिनों में यहां पर्यटन की संभावनाओं के साथ ही ग्रामीणों के लिए रोजगार के द्वार भी खुलेंगे।

छत्तीसगढ़ में ग्रामीण अर्थव्यवस्था का बूस्टर बनी गोधन न्याय योजना

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ सरकार की गोधन न्याय योजना आज पूरे देश में सुर्खियां बटोर रही है, पशुपालकों, किसानों और ग्रामीणों के लिए शुरू की गई इस योजना का उद्देश्य ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करना और स्थानीय स्तर पर रोजगार प्रबंधन को बढ़ावा देना है ताकि गांवों में आर्थिक तंत्र को मजबूत किया जा सके और ग्रामीणों को आत्मनिर्भर। इस योजना में सरकार पशुपालकों से 2 रूपए प्रति किलो की दर से गोबर खरीद रही है, जिसमें प्रदेश के 75.38 लाख क्विंटल गोबर की खरीदी कर गोबर विक्रेताओं को 150.75 करोड़ रुपए का भुगतान डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के माध्यम से हितग्राहियों के खातों में भेजा गया है। गोधन न्याय योजना से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और आय के अवसर बढ़े हैं, यही कारण है कि स्थानीय रोजगार बढऩे से शहर की ओर पलायन कम हुआ है। इस योजना ने हजारों परिवारों की आर्थिक स्थिति मजबूत बनाई है।

खरीदी किए गोबर से गौठानों में संचालित स्व-सहायता समूह की महिलाएं कंपोस्ट, वर्मी कंपोस्ट, सुपर कंपोस्ट, गोबर से गुलाल, जिसे दीया, गमला इत्यादि चीजों का निर्माण करती हैं। गौरतलब है कि स्व-सहायता समूह के सखी क्लस्टर संगठन अंजोरा राजनांदगांव और कुमकुम महिला ग्राम संगठन सांकरा दुर्ग की महिलाओं ने द्वारा तैयार किए गए 23 हजार 279 किलो हर्बल गुलालों को यूरोप एक्सपोर्ट किया गया। गोधन न्याय योजना प्राकृतिक खाद के प्रयोग से रसायनमुक्त खेती को बढ़ावा देने की दिशा में छत्तीसगढ़ सरकार का एक महत्वपूर्ण कदम है। गोबर की खरीदी से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर और आयमूलक गतिविधियों को बढ़ावा मिला है, इसी के साथ गोबर से नवाचारी गतिविधियां भी की जा रही हैं जिनमें गोबर से प्राकृतिक पेंट और बिजली निर्माण जैसे काम हो रहे हैं। इस योजना से ग्रामीण और शहरी इलाकों में गौपालकों और ग्रामीणों को आमदनी का अतिरिक्त जरिया मिला है।

गोधन न्याय योजना के अंतर्गत खरीद गोबर से वर्मी कम्पोस्ट उत्पादन और उपयोग की एक नई परिपाटी की शुरुआत हुई है, जिससे प्रदेश में खाद संकट दूर हो रहे हैं। गौठान समितियों और महिला स्व-सहायता समूहों को 143.19 करोड़ रूपए की राशि लाभांश के रूप में दी जा चुकी है, महिला समूहों ने अब तक 20 लाख क्विंटल से अधिक कम्पोस्ट उत्पादन किया है। गौठानों में महिला समूहों द्वारा मसाले, फूड्स, पैकेजिंग, साबुन, फिनाइल, हाइजीन प्रोडक्ट्स, सेनेटरी नैपकिन इत्यादि वस्तुओं का उत्पादन करते हैं। इस दिशा में कई नवाचार को भी प्रोत्साहन मिल रहा है, जिसका परिणाम गोबर से बनी बिजली एवं प्राकृतिक पेंट है। गौरतलब है कि राज्य में गौठानों से 12,013 महिला स्व-सहायता समूह से 82,725 महिलाएं जुड़ी हैं, जो प्रदेश की अर्थव्यवस्था और उन्नति में महिलाओं की बराबर भागीदारी सुनिश्चित करता है। राज्य सरकार द्वारा बिजली बिल हॉफ योजना का विस्तार करते हुए इसमें नरवा, गरुवा, घुरुवा, बारी योजना के तहत स्थापित किए जा रहे गौठानों एवं ग्रामीण औद्योगिक पार्क को भी शामिल करने का निर्णय लिया गया है। बिजली बिल हाफ योजना का विस्तार करते हुए नरवा, गरुवा, घुरुवा, बारी योजना के तहत स्थापित किए जा रहे गौठानों एवं ग्रामीण औद्योगिक पार्क में बिजली बिल में 50 प्रतिशत की छूट देने का निर्णय भी लिया गया है।

सत्येन्द्र सिंह ने 4.47 घंटे में 83 किमी. सायकिल चलाकर बनाया नया रिकार्ड

कोरबा। पावर कंपनी में ईंधन प्रबंधन विभाग में पदस्थ अधीक्षण अभियंता सत्येन्द्र सिंह ने 4.47 घंटे में 83 किमी साइकिल चलाकर नया रिकार्ड बनाया है। 61 वर्ष की उम्र में उन्होंने यह सफलता प्राप्त की। यूथ आईकॉन के क्षेत्र में हो रहे कैम्पेन को ध्यान में रख उन्होंने प्रदूषण नियंत्रण को लेकर भी संदेश देने की कोशिश की। एशिया के प्रदूषित शहर में रहकर काम करते हुए वे पर्यावरण को लेकर भी अपनी भूमिका निभाने की कोशिश कर रहे हैं। सत्येन्द्र प्रतिदिन 5-7 किमी पदयात्रा करने के साथ 14 से 20 किमी साइकिल यात्रा करने का शौक रखते हैं। यही कारण है कि

पिछले 10 वर्षों में न तो वे अस्वस्थ हुए और न ही कोई दवाई ली। सत्येन्द्र के द्वारा की जा रही कोशिशों से न केवल युवा बल्कि दूसरे लोगों को ऐसा कुछ कर दिखाने की प्रेरणा मिल रही है।

दुपहिया वाहनों में भिड़ंत, एक की हालत गंभीर

कोरबा। कोरबा-रजगामार के मध्य भूलसीडीह मोड़ जैतखंभ के सामने कल देर शाम दुपहिया वाहनों में जोरदार भिड़ंत आमने-सामने टकराने के कारण हो गई। जिसमें एक का चालक गंभीर रूप से घायल हो गया।

जानकारी के अनुसार बालको नगर थाने की रजगामार चौकी क्षेत्रांतर्गत ग्राम करूमौहा निवासी लक्ष्मीनारायण खांडे उम्र 44 पिता हीरालाल खांडे का पुत्र अरविंद कुमार पांडेय कल देर शाम 07 बजे के लगभग अपने दुपहिया वाहन से घर लौट रहा था। वह वाहन लेकर भूलसीडीह जैतखंभ के सामने पहुंचा ही था कि वह डूमरडीह निवासी ललित कुमार नामक युवक अपने बाइक क्रमांक सीजी 12 ए टी 4259 को तेज गति से लापरवाही पूर्वक चलाते हुए विपरीत दिशा से आ रहा था। बताया जाता है कि बाइक चालक ललित कुमार ने तेज गति से वाहन चलाने के कारण उससे अपना नियंत्रण खो दिया, जिसके कारण वह बाइक समेत सामने से अरविंद कुमार खांडे को जोरदार ठोकर मार दिया। इस दुर्घटना में अरविंद कुमार खांडे का एक पैर जहां गंभीर चोट लगने के कारण पूरी तरह से फैक्चर हो गया वहीं दूसरी ओर काफी चोट व सदमा के कारण कोमा में जाने की वजह से वह पुलिस में बयान दर्ज कराने की स्थिति में नहीं था, जिसके कारण उसके पिता लक्ष्मीनारायण खांडे ने रजगामार चौकी पहुंचकर आरोपी बाइक चालक ललित कुमार के विरूद्ध धारा 279, 337 भादवि के तहत दुर्घटनाकारित किये जाने का अपराध पंजीबद्ध करवा दिया। रजगामार चौकी प्रभारी सुरेश जोगी ने बताया कि अपराध दर्ज कर इस मामले में दुर्घटना के बाद फरार हुए बाइक चालक की सरगर्मी से तलाश की जा रही है।

शतरंज ओलंपियाड टॉर्च रिले के 16 को रायपुर आगमन की तैयारियां प्रारंभ

- शहर भ्रमण के दौरान टॉर्च रिले का तेलीबांधा चौक और नगरघड़ी चौक पर होगा भव्य स्वागत
- पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित किया जाएगा मुख्य समारोह

रायपुर (आरएनएस)। शतरंज ओलंपियाड टॉर्च रिले के छत्तीसगढ़ आगमन पर भव्य स्वागत की तैयारियां जोर-शोर से प्रारंभ कर दी गई हैं। शतरंज ओलंपियाड टॉर्च रिले 16 जुलाई को सुबह 8.40 बजे राजधानी रायपुर के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट पहुंचेगी। जहां से यह ओलंपियाड मशाल रायपुर शहर का भ्रमण करते हुए पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम स्थल पहुंचेगी। इस दौरान टॉर्च रिले का तेलीबांधा चौक व नगर घड़ी चौक पर भव्य स्वागत होगा। टॉर्च रिले शहर के भ्रमण के बाद पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम पहुंचेगी, जहां अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

गौरतलब है कि शंतरंज ओलंपियाड के 95 साल के इतिहास में भारत को पहली बार 44वें शतरंज ओलंपियाड की मेजबानी मिली है। यह भारत में आयोजित होने वाला अब तक का सबसे बड़ा खेल आयोजन होगा। इस शतरंज ओलंपियाड में 188 देश शामिल होने की संभावना है। आजादी के 75 वें अमृत महोत्सव के अंतर्गत देश के 75 शहरों में 19 जून से 28 जुलाई तक शतरंज ओलंपियाड टॉर्च रिले आयोजित की जा रही है। यह टॉर्च रिले नई दिल्ली से प्रारंभ होकर विभिन्न राज्यों का भ्रमण करते हुए 16 जुलाई को छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर पहुंचेगी। रायपुर से शतरंज ओलंपियाड टॉर्च रिले चेन्नई पहुंचेगी।

शतरंज ओलंपियाड टॉर्च रिले के छत्तीसगढ़ आगमन पर तैयारियों के सिलसिले में हाल ही में खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सचिव की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। शतरंज ओलंपियाड टार्च रिले के रायपुर भ्रमण के दौरान सुचारू यातायात प्रबंधन, सुरक्षा व्यवस्था, पेयजल, बैरिकेटिंग, स्वागत स्थल तथा मुख्य आयोजन स्थल पर की जाने वाली तैयारियों की जिम्मेदारी विभिन्न विभागों को सौंपी गई। इस आयोजन में खेल एवं युवा कल्याण विभाग सहित छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ, छत्तीसगढ़ प्रदेश चेस एसोसिएशन की सक्रिय भागीदारी होगी।

कोरबी सर्किल में हाथियों का उत्पात जारी, तोड़ रहे मकान

कोरबा। जिले के कटघोरा वनमंडल के कोरबी सर्किल में हाथियों का उत्पात थमने का नाम ही नहीं ले रहा है। बीती रात यहां के बडक़ाबहरा में एक उत्पाती दंतैल पहुंचकर फिर तीन ग्रामीणों के मकान को तोड़ डाला। दंतैल के उत्पात से ग्रामीण सहमे रहे। सूचना मिलने पर वन विभाग के अधिकारी व कर्मचारी हाथी मित्र दल के सदस्यों के साथ गांव पहुंचे और उत्पाती दंतैल को खदेड़ा जिस पर उसने जंगल का रूख किया। दंतैल के जाने का ग्रामीणों ने राहत की सांस ली।

इधर कोरबा वनमंडल के करतला रेंज में भी एक दंतैल की धमक हो गई है। दंतैल को आज सुबह घोटमार के जंगल में घूमते हुए देखा गया। तत्पश्चात ग्रामीणों को सतर्क करने के साथ वन विभाग द्वारा गांव में मुनादी कराई गई है। दंतैल ने यहां पहुंचने से पहले कल्गामार गांव में दो ग्रामीणों के बाड़ी में लगे कटहल के पौधों को तहस-नहस कर दिया जिससे संबंधित किसानों को हजारों रुपए का नुकसान उठाना पड़ा है। दंतैल कुदमुरा रेंज के रास्ते यहां पहुंचा है। कटघोरा वनमंडल के केंदई रेंज में लगभग 33 हाथी कोरबी सर्किल के गांव में घूम रहे हैं। इस दल में कुछ दंतैल भी शामिल हैं। इन्हीं दंतैलों में से एक उत्पाती दंतैल सोमवार की रात बडक़ाबहरा गांव की बस्ती में घुस गया और उत्पात मचाने के साथ तीन ग्रामीणों के घर को ढहा दिया जिससे वे बेघर हो गए। दंतैल के बडक़ाबहरा पहुंचने और उत्पात मचाए जाने की सूचना दिए जाने पर वन विभाग का अमला रात में ही मौके पर पहुंचा और उत्पात मचा रहे दंतैल को नियंत्रित करने के साथ उसे खदेडऩे की कार्रवाई की। वन विभाग द्वारा खदेड़े जाने पर दंतैल ने जंगल का रूख किया। आज सुबह वन विभाग के अधिकारी व कर्मचारी फिर गांव पहुंचे और दंतैल द्वारा रात में किये गए नुकसानी का आंकलन कर रिपोर्ट वरिष्ठ अधिकारियों को भेजी। कल शाम हाथियों का यह दल कोरबी-चोटिया मुय मार्ग पर पहुंच गया था। जिससे तीन घंटे तक आवागमन बाधित रहा।

अज्ञात तत्वों ने मंदिर में चोरी कर जलाए धार्मिक ग्रंथ

कोरबा। सिंचाई कालोनी रामपुर स्थित मंदिर में घुसकर पिछली रात अज्ञात तत्वों ने उत्पात मचाते हुए चोरी की और धार्मिक ग्रंथों को आग लगा दी। परिसर को अपवित्र करने का काम भी किया गया। आज सुबह घटना की जानकारी होने के साथ यहां भीड़ जुटी। पुलिस ने अज्ञात तत्वों के खिलाफ 457, 380, 295, के अंतर्गत मामला दर्ज किया है। स्नैफर डॉग के अलावा फोरेंसिक एक्सपर्ट और क्राइम ब्रांच की टीम ने भी यहां का जायजा लिया। मामले की कई बिंदुओं पर जांच-पड़ताल की जा रही है।

हिंदू धर्म स्थल में हुई इस घटना की जानकारी पुजारी के जरिए आसपास के लोगों को लगी और इसी के साथ यहां लोगों का जमावड़ा हो गया। कुछ ही देर में चौकी पुलिस के साथ पुलिस अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए थे। देखा गया कि सिंचाई कालोनी रामपुर के एक मंदिर में हनुमान जी की प्रतिमा के उपरी हिस्से में चांदी की आंख और तांबा के नाग को यहां से पार कर दिया गया। मौके पर रखे गए धार्मिक ग्रंथों को आग लगाकर जला दिया गया। इसके अवशेष यहां पर मिले। मंदिर के दरवाजे और अन्य हिस्सों को तोडफ़ोड़ कर क्षतिग्रस्त करने के अलावा यहां गंदगी भी फैला दी गई। परिसर के बाहर नशे की चीजें भी मिली हैं। जिससे कयास लगाया जा रहा है कि असामाजिक तत्वों की ओर से इस तरह की हरकत यहां की गई होगी। घटना की जानकारी होने पर सीएसपी योगेश साहू, कोतवाली टीआई राजीव श्रीवास्तव, रामपुर चौकी प्रभारी कृष्णा साहू सहित डॉग एक्सपर्ट सुनील गुप्ता, क्राइम ब्रांच की टीम और फोरेंसिक टीम ने उपस्थिति दर्ज कराई। पुलिस और संबंधित टीमों के द्वारा यहां हुए घटनाक्रम को लेकर जांच पड़ताल करने की बात कही जा रही है। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला भाजपाध्यक्ष डॉ राजीव सिंह सहित विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों ने यहां पहुंचकर जानकारी हासिल की और स्थानीय लोगों को आश्वस्त किया कि अराजकता फैलाने वालों के चेहरे बेनकाब करने और उन्हें दंडित कराने की कोशिश की जाएगी। हर स्तर पर लोगों से कहा जा रहा है कि इस तरह के मामलों में सोशल मीडिया पर अवांछित विषयवस्तु को फैलाने से बचा जाए। एक दिन पहले ही पुलिस अधीक्षक ने मीडिया से हुई चर्चा में इस तरफ इशारा किया कि इस तरह के मामलों को लेकर निगरानी का काम किया जाएगा और गलती पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी।

महत्वपूर्ण एवं खास

विभाग संयोजक का रायगढ़ दौरा

कोरबा। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के विभाग संयोजक मोंटी पटेल रायगढ़ जिले के दौरे पर हैं। उनके साथ प्रांतीय सह संगठन मंत्री महेश साकेत भी हैं। जिले में सदस्यता अभियान को लेकर यह दौरा किया जा रहा है। विभाग संयोजक मोंटी पटेल सभी चार जिलों का दौरा करेंगे। उन्हें सभी जिलों में बैठक लेने की जिम्मेदारी दी गई है। 10 जुलाई को रायगढ़ में बैठक लेते हुए कार्यकर्ताओं को बताया कि देश भर में एक करोड़ सदस्य बनाने का लक्ष्य दिया गया है। उसे हर हाल में पूरा करना है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के द्वारा पौधा लगाने का भी काम किया जा रहा है। भैसमा, तुमान के पास जिला सह संयोजक मनीष यादव के नेतृत्व में पौधे लगाए गए हैं। स्कूल के अलावा सडक़ किनारे पौधे लगाने का काम जारी है। इसी तरह कुदुरमाल क्षेत्र में किशन पटेल के नेतृत्व में छात्र पौधे लगा रहे हैं।

नशा के विरूद्ध जिले में चलेगा निजात अभियान

कोरबा। पुलिस अधीक्षक संतोष सिंह ने कार्यभार ग्रहण करने के बाद जिले के समस्त थाना चौकी एवम सहायता केंद्र प्रभारियों का मीटिंग लेकर अपनी प्राथमिकताएं बताई । मीटिंग की शुरुआत करते हुए पुलिस अधीक्षक संतोष सिंह द्वारा सभी का परिचय प्राप्त किया गया फिर अपनी प्राथमिकताएं बताते हुए कहा की जिले में अपराधिक तत्वों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही किया जाए साथ ही जिले में पुलिसिंग दिखना चाहिए। पुलिस अधिकारियों को संबोधित करते हुए आगे कहा की बेसिक पुलिसिंग साथ साथ कम्युनिटी पुलिसिंग के कार्य भी यथावत चलते रहेंगे । संतोष सिंह द्वारा नशे के विरुद्ध चलाया जा रहा निजात अभियान कोरबा जिले में भी चलेगा । इस अवसर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा, नगर पुलिस अधीक्षक कोरबा योगेश साहू, नगर पुलिस अधीक्षक दर्री लितेश सिंह, पुलिस अनुविभागीय अधिकारी कटघोरा ईश्वर त्रिवेदी, उप पुलिस अधीक्षक अजाक शिवचरण सिंह परिहार सहित जिले के सभी थाना,चौकी सहायता केंद्र प्रभारी उपस्थित थे।

एनटीपीसी कोरबा ने क्रेडा द्वारा आयोजित कार्यशाला में लिया भाग, ऊर्जा दक्षता के प्रयासों की हुई सराहना

कोरबा। एनटीपीसी कोरबा ने हाल ही में क्रेडा छग राज्य अक्षय ऊर्जा विकास संघद्ध द्वारा आयोजित ऊर्जा संरक्षण पर एक कार्यशाला में भाग लिया। कार्यशाला का आयोजन ऊर्जा दक्षता ब्यूरो के सहयोग से किया गया। एनटीपीसी कोरबा की टीम ने पीएटी चक्र 1 और 2 के दौरान एनटीपीसी कोरबा में आयोजित ऊर्जा संरक्षण गतिविधियों पर एक प्रस्तुति दी। एन के अंसारी अपर महाप्रबंधक ऐश हैंडलिंग की अध्यक्षता में 4 सदस्यीय टीम द्वारा प्रस्तुति दी गई। टीम के सदस्य शुक्ला दास, अपर महाप्रबंधक संचालन, वामशी कृष्णा के ईईएमजी और मोहित गुप्ता प्रबंधक संचालन थे। ऊर्जा संरक्षण गतिविधियों के लिए एनटीपीसी कोरबा द्वारा किए गए प्रयासों की कार्यशाला के प्रतिभागियों और क्रेडा ने सराहना की। क्रेडा टीम द्वारा छत्तीसगढ़ में विभिन्न उद्योगों द्वारा की गई विभिन्न गतिविधियों और अब तक की उपलब्धियों के संबंध में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया था।

छापेमारी में एक घन मीटर सागौन की लकड़ी व फर्नीचर जब्त

दंतेवाड़ा (आरएनएस)। जिले में विगत 15 दिनों में वन विभाग की टीम ने जिले के 10 से अधिक ठिकानों पर लकड़ी माफियाओं से लकड़ी जप्त करने की कार्यवाही जारी है। इसी कड़ी में वन विभाग की टीम ने डीएफओ संदीप बलगा एवं एसडीओ अशोक कुमार सोनवानी के मार्गदर्शन में आज गीदम परिक्षेत्र के नगर पंचायत बारसूर में छापेमारी कर सागौन का फारा एवं फर्नीचर कुल एक घन मीटर लकड़ी जप्त किया है। जप्त लकड़ी की अनुमानित बाजार मूल्य लगभग एक लाख रूपये आंकी गई है।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com
Social Justice Union
Registered with Govt. No. 5526
Join SJU
अधिकार से न्याय तक
आवश्यकता
इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईज़र श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कु0 सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी राकुन्डे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।
उद्देश्य एवं नियुक्तियां
मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जावेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।
मुख्य बिन्दु
प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।
पीड़ित संपर्क करें
संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।
अन्य बिन्दु
- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश मे महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक रीति के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन् तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के मूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करायेगा।
पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र
:: Address :: Behind Stadium Near Career School, Raigarh, C.G. Pin 496001
www.nyaysakshi.com
सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।
Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU